GSEB Std 10 Hindi Textbook Solutions Chapter 16 चोरी

GSEB Class 10 Hindi Solutions चोरी Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

मालती की आवाज सुनकर बिन्दू की चाल में ..... ।

(अ) रुकावट आ गई ।

(ब) तेजी आ गई ।

(क) बदल गई ।

(ड) सुधार आ गई ।

उत्तर :

(ब) तेजी आ गई ।

प्रश्न 2.

'असली बात जानने का यह तरीका नहीं है ?' यह कौन कहता है ?

(अ) मालती

(ब) बिन्दू

(क) नंदन

(ड) नयन

उत्तर :

(क) नंदन

प्रश्न 3.

'देख लेना, एक दिन यही बिन्दू घर में से ..... उठाकर न ले जाए तो मेरा नाम मालती नहीं ।'

(अ) संदूक

(ब) अनाज

(क) ट्रंक

(ड) सामान

उत्तर :

(क) ट्रंक

प्रश्न 4.

'अरे, वह तो नदीवाली कोठरी में पड़ा है ।' यह वाक्य कौन कहता है ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(अ) कुन्दन
(ब) नंदन
(क) मालती
(ड) बिन्दू
उत्तर :
(अ) कुन्दन

प्रश्न 5.
नंदन ने पत्नी की बात सुनी तो उसके चहेरे पर ..... आ गई ।
(अ) चिंता की रेखा
(ब) प्रसन्नता भरी मुस्कुराहट
(क) प्रसन्नता
(ड) मुस्कुराहट
उत्तर :
(ब) प्रसन्नता भरी मुस्कुराहट

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
मालती के मन में बिन्दू के प्रति क्या आशंका हुई ?
उत्तर :
मालती के मन में बिन्दू के प्रति यह आशंका हुई कि वह अपनी मुट्ठी में घर की कोई कीमती चीज दबाए जा रहा है।

प्रश्न 2.
मालती को शांत करते हुए नंदन ने क्या कहा ?
उत्तर :
मालती बिन्दू को उल्टी-सीधी बातें सुनाने लगी, तो नंदन ने उसे शांत करते हुए कहा कि असली बात जानने का यह तरीका नहीं है।

प्रश्न 3.
कूड़ा फेंकने की जगह पर नंदन और मालती को क्या दिखा ?
उत्तर :
कूड़ा फेंकने की जगह पर नंदन और मालती को थोड़े से काजू और थोड़ी किशमिशें पड़ी दिखीं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

नंदन ने बिन्दू से चोरी की बात किस प्रकार मालूम की ?

उत्तर :

नंदन ने बिन्दु को प्यार से समझाकर कहा कि वह सचसच बता दे कि अपनी मुट्ठी में क्या ले गया है, उसे कोई कुछ नहीं कहेगा। इस तरह नंदन ने बिन्दू को भरोसा दिलाकर उससे चोरी की बात मालूम की।

प्रश्न 2.

बिन्दू ने अपने दोष का किस प्रकार पश्चाताप किया ?

उत्तर :

बिन्द कमरे में नीचे पड़े थोड़े-से मेवे उठा लाया था, पर उसे लग रहा था जैसे उसने दुनिया का बहुत बड़ा पाप कर डाला हो। बिन्दू अपने दोष का पश्चात्ताप करने के लिए भूखा-प्यासा एकांत में एक कमरे में मुंह छिपाकर पड़ा रहा।

प्रश्न 3.

बिन्दू के न दिखने पर मालती को क्या चिंता हुई ?

उत्तर :

मालती ने घर-बाहर सभी जगह छान मारा, उसे बिन्दु का कहीं पता नहीं चला। दोपहर बीत गई और शाम होने को आई थी, पर बिन्दू नहीं लौटा। मालती को अच्छा नहीं लगा। वह चिंता करने लगी, बेचारे ने सुबह से कुछ नहीं खाया था। भूखा-प्यासा जाने कहाँ भटक रहा होगा।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

नौकर के संबंध में नंदन और मालती के विचारों में क्या अंतर था ?

उत्तर :

मालती की नजर में बिन्दू उन अन्य नौकरों की तरह है, जो घरों में छोटी-मोटी चोरियां करते-करते बड़ी-बड़ी चोरियां करने लगते हैं। उसकी नजर में बिन्दू एक चोर नौकर है और वह झूठ बोलता है। उसके साथ नरमी से पेश न आकर कड़ाई से पेश आना चाहिए। नंदन की नजर में बिन्दू चोर नहीं है। वे अपने आप तथा मालती को ही चोर मानते हैं, जिनके कारण बिन्दू में चोरी की भावना का जन्म हुआ। उनके विचार से सबको सब चीजें मिलनी चाहिए। हमने उसे नहीं दिया इसलिए बिन्दू को यह चोरी करनी पड़ी।

प्रश्न 2.

चोरी का पता लग जाने पर नंदन ने बिन्दू के साथ कैसा व्यवहार किया ? क्यों ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर :
नंदन के आत्मीय व्यवहार से बिन्दू ने स्वीकार कर लिया कि कमरे में नीचे गिरा थोड़ा-सा मेवा वह उठा लाया था। नंदन को यह सुनकर जरा भी गुस्सा नहीं आया, बल्कि वह बिन्दू को लेकर कमरे में गया और कनस्तर से एक मुट्ठी मेवा निकालकर उसने विन्दू को खाने के लिए दिया। नंदन इस विचारधारा के हैं कि सब चीजें सबको मिलनी चाहिए।

प्रश्न 3.
बिन्दू के प्रति सहानुभूति जगने पर मालती ने क्या किया ?
उत्तर :
दोपहर बीती और शाम होने को आई, पर बिन्दू अब तक नहीं लौटा। यह सोचकर मालती को चिंता होने लगी। बेचारा भूखा-प्यासा जाने कहाँ भटक रहा होगा।' उसके मन में बिन्दू के प्रति सहानुभूति जग गई। उसने कमरे से बाहर आकर देखा, बगीचे में चक्कर लगाया कि कहीं पेड़ के नीचे पड़ा सो न रहा हो। फिर वह अपने आप को कोसने लगी कि उसने -छोटी-सी बात को इतना तूल क्यों दिया। तभी उसे कुंदन से पता चला कि बिन्दू नदीवाली कोठरी में पड़ा है। सुनते ही वह तुरंत जाकर वहाँ से बिन्दू को उठाकर ले आई। वह उसे चौके में ले गई और स्वयं परोसकर उसे भरपेट खाना खिलाया।

5. उचित जोड़ मिलाइए :

1. बिन्दू
नंदन 'बिन्दू ! ओ बिन्दू ! ठहर, कहाँ जाता है ?'
मालती

2. नंदन
मालती 'सच बाबूजी, मेरे हाथ में झाड़ू थी और कूड़ा था ।'
बिन्दू

3. मालती
बिन्दू असली बात जानने का यह तरीका नहीं है ।'
नंदन

4. नंदन
बिन्दू 'अरे, बोलता क्यों नहीं ? मुँह में जबान नहीं है ?'
मालती

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. मालती

कुन्दन 'अरे, वह तो नदीवाली कोठरी में पड़ा है ।'

नंदन

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द दीजिए :

प्रश्न 1.

1. बेइमान × .....
2. मालिक × .....
3. असली × .....
4. झूठ × .....

उत्तर :

1. बेईमान × ईमानदार
2. मालिक × नौकर
3. असली × नकली
4. झूठ × सच

7. निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाइए :

प्रश्न 1.

1. बच्चा - .....
2. मुस्कुराना - .....
3. लड़का - .....
4. प्रसन्न - .....
5. बूढ़ा - .....
6. पागल - .....
7. चोर - .....

उत्तर :

1. बच्चा - बचपन
2. मुस्कुराना - मुस्कुराहट
3. लड़का - लड़कपन
4. प्रसन्न - प्रसन्नता
5. बूढ़ा - बुढ़ापा
6. पागल - पागलपन

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

7. चोर - चोरी

8. आशय स्पष्ट कीजिए :

प्रश्न 1.

'लातों के देव बातों से नहीं मानते हैं ।'

उत्तर :

समाज में दो तरह के लोग होते हैं। कुछ लोग प्रेम - से कहने पर कोई काम करते हैं, तो कुछ लोग लाख समझाने पर भी वह काम नहीं करते। लेकिन मारने या डॉटने पर वे उस काम को करने के लिए तैयार हो जाते हैं। ऐसे लोग प्रेम की भाषा नहीं समझते। उनके साथ नरमी का व्यवहार न कर कड़ाई से काम लेना पड़ता है। उनके साथ उसी भाषा में व्यवहार करना चाहिए जिस भाषा को वे समझते हैं।

प्रश्न 2.

हम क्यों ऐसी चीजें खायें जो सबको नहीं मिलती, इसीसे तो चोरी की भावना को जन्म मिलता है ।

उत्तर :

मनुष्य का स्वभाव है कि वह किसी व्यक्ति को किसी वस्तु का इस्तेमाल करते हुए देखता है, तो उसे पाने की उसकी भी इच्छा हो जाती है। यदि वह वस्तु उसे उपलब्ध नहीं होती, तो वह चोरी से उसे प्राप्त करने में भी नहीं हिचकता। इसलिए जब तक सब चीजें सबको नहीं मिलती, चोरी बंद नहीं हो सकती। चोरी की भावना पनपने न देने का एक उपाय यह है कि लोगों को ऐसी चीजों का उपयोग करने से बचना चाहिए, जो सबको उपलब्ध नहीं हो पाती।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in